

विकास नीतियों एवं कार्यक्रमों को सफल बनाने हेतु सुझाव

सामाजिक संरचना के स्तर पर कमियां / चुनौतियों / मुद्दे

10. अशिक्षा एवं जागरूकता का अभाव

फलतः कार्यक्रमों के उद्देश्य, महत्व एवं प्रकृति के बारे में आम जनता में अनभिज्ञता

फलतः जनसहभागिता का अभाव

11. भ्रष्ट और गरीबी

फलतः मानव संसाधन विकास एवं कार्यक्षमता की निम्नतर स्थिति, सरकारी योजनाओं का नवाचारी विकास की ओर उन्मुख न हो पाना और लोगों का विकास के लाभ से वंचित होना।

12. जातीय एवं लिंग असमानता, रूढ़िगत मान्यताएं, भेदविश्वास जैसे परम्परागत सामाजिक सांस्कृतिक संरचना के तत्व।

13. आधारभूत अवसंरचनाओं, जैसे - सड़क, संचार, कर्मचारी, कागज़िपी सुविधाओं की उपलब्धता में कमी।

14. विकास की पूर्वापेक्षाओं को लागू किये बिना विकास कार्यक्रमों का क्रियान्वयन।

15. अग्रवाद, नक्सलवाद, आतंकवाद आदि समस्याओं।

16. जनसंख्या विस्फोट।

17. विश्व सहयोग का अभाव और विभिन्न हित समूहों का निहित स्वार्थ।

विकास नीतियों एवं कार्यक्रमों को सफल बनाने हेतु सुझाव:-

1. विकास नीति एवं कार्यक्रमों के निर्माण में सहकारी संघवाद को बढ़ावा दिया जाए और राज्य की सहभागिता एवं सहयोग को प्राप्त किया जाए। (टीम शण्कर के रूप में नीति आयोग द्वारा इस दिशा में प्रभावकारी हैं।)

2. विकास नीति एवं विकास कार्यक्रमों का निर्माण लोगों की आवश्यकताओं, उनकी प्राथमिकताओं, विद्यमान संसाधन, सामाजिक मूल्य एवं सांस्कृतिक व्यवस्था का ध्यान में रखकर किया जाए।

3. कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में लगे अधिकारियों एवं कर्मचारियों को, कार्यक्रम की प्रकृति

के अनुरूप प्रशिक्षण दिया जाये; उनके नैतिक स्तर को ऊँचा उठाया जाए एवं उन्हें लोकसेवा हेतु प्रेरित किया जाए और उन्हें संबन्धनशील बनाया जाये। और विकास से संबंधित विभिन्न एजेंसियों, विभागों तथा पंचायती राज संस्थाओं के मध्य समन्वय स्थापित किया जाए।

4. दृढ़ इच्छाशक्ती के साथ इन योजनाओं को लागू किया जाए और योजनाओं की राजनीतिकरण की प्रक्रिया को रोक दिया जाए।

5. स्थानीय शासन / पंचायती राज को इस दिशा में सफल बनाया जाए साथ-साथ भाषाविदु शिक्षा का प्रसार और जागरूकता अभियान चला कर विकास कार्यक्रमों में जनसहभागिता को बढ़ाया जाए।

6. औद्योगिकी एवं नवाचार पर बल देते हुए व्यवसायिक प्रशिक्षण एवं कौशल विकास को तीव्र किया जाए, लघु कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दिया जाए और उनके उत्पाद हेतु समुचित बाजार प्रणाली को विकसित किया जाए (चीनी मॉडल)।

7. भ्रष्टाचार पर भंडारा लगाया जाए, लोगों के नैतिक स्तर को ऊपर उठाया जाए एवं जातिवाद, परिवारवाद आदि को समाप्त किया जाए।
8. प्रत्येक स्तर पर पारदर्शिता को सुनिश्चित किया जाये।
9. जनसंख्या वृद्धि को मानव संसाधन विकास के साथ समायोजित किया जाए।
10. गरीबी, बेरोजगारी, निरक्षरता तथा परंपरागत सामाजिक संरचना के तलों जैसे - जाति, असमानता लिंग असमानता आदि को यथासंभव समाप्त किया जाए।
11. विकास की अन्य एजेंसियों, जैसे N G O, SHG आदि का नियंत्रित एवं समुचित प्रयोग किया जाए साथ ही आधारभूत अवसंरचनाओं का विकास किया जाये।

नीति आयोग (NITI)

"National Institution for Transforming India"

Tag Line -

"ऊपर से नीचे की ओर निर्देश की जगह
नीचे से ऊपर की ओर दिशा"

1 जनवरी 2015 को, योजना आयोग के स्थान पर गठित संस्थान, जो सहकारी संघवाद को बढ़ावा देते हुए, केन्द्र एवं राज्य सरकारों के Think Tank के रूप में सेवा प्रदान करता है, और उन्हें निर्देशात्मक एवं नीतिगत गतिशीलता प्रदान करता है।

नीति आयोग के कार्य

1. संसाधन केन्द्र, ज्ञान केन्द्र के रूप में कार्य करना।
2. नीतियों एवं कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करना।
3. सहकारी संघवाद को बढ़ावा देना।
4. अनुविषय एवं मूल्यांकन करना।
↓
सूक्ष्म निरीक्षण करना

इस हेतु नीति आयोग द्वारा यह स्वीकार किया गया कि, भारत में 'इकोमेट गवर्नेंस' निम्न बातों पर निर्भर करती है जैसे -

1. जन आधारित एजेंडा, जो समाज के साथ व्यक्ति की आवश्यकताओं को पूरा करे।

2. जो लोगों की जरूरतों के मुताबिक 'प्रो एक्टिव' हो

[25 मार्च, 2015 को Pro Active Governance and Timely Implementation (PRAGATI)]

जो एक 'मल्टी स्टेज प्लेटफार्म' था बनाया गया]

3. जन सहभागिता भर्षित नागरिकों की भागीदारी हो।

4. विकास में समाज के सभी समूहों का समावेश हो।

5. हमारे देश के युवाओं की अवसर की समानता मिले।

6. पर्यावरण सुरक्षित रखते हुए 'सतत विकास' को बढ़ावा।

7. पारदर्शिता, जो प्रौद्योगिकी के उपयोग से सरकार को अधिक जवाबदेह एवं पारदर्शी बनाये।



इस हेतु नीचे आयोग द्वारा 2 केन्द्रों का निर्माण किया गया है जो निम्न हैं:-

1. " नॉलेज एंड इनोवेशन हब " / " ज्ञान एवं नवप्रवर्धन हब "

[कार्य - ज्ञान का सृजन, संचयन एवं प्रसार]

2. लीम शब्डिया हब "

[कार्य - सहकारी संघवाद के लक्ष्य की दिशा में कार्य करते हुए, राज्य- केन्द्र तथा ज्ञान एवं नवाचार हब के बीच तालमेल बैठाना एवं योजनाओं एवं कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने के आदेशों को कार्यान्वित करना]

नीचे आयोग के " नॉलेज एंड इनोवेशन हब " द्वारा Atal Innovation Mission [AIM] तथा Self Employment and Talent Utilisation (SETU) के तत्त्वधान में नवाचार एवं उद्यमिता के क्षेत्र में मार्गदर्शन किया जा रहा है।



PDF NOTES

Strategy for New India @ 75
(Strategy for 2022)

19 दिसम्बर 2018 को नीति आयोग द्वारा आजादी के 75वें वर्ष 2022 तक के लिए विकास के लक्ष्य एवं रणनीति की घोषणा की गयी जिसे Strategy for New India @ 75 कहा गया और इसके अंतर्गत विकास के निम्न लक्ष्यों को निर्धारित किया गया।



[नीचे दिए गए लक्ष्यों को एवं मेटर को याद नही करना है बल्कि समझ के लिए देखा है]



15 अगस्त 2022 भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा

Developed India @ 2047

की शुरुआत

PDF Notes

विश्व विकास से संबंधित प्रमुख सूचकांक एवं रिपोर्ट

PDF Notes

भारत में विकास से संबंधित प्रमुख सूचकांक एवं रिपोर्ट :-

PDF Notes

